



चम्पारण ज्ञानाग्रह



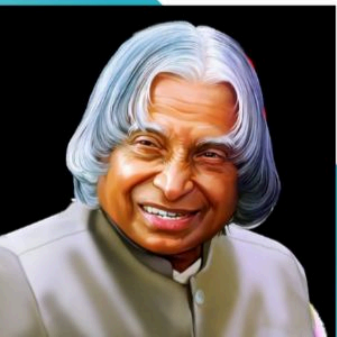
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 28 अक्टूबर 2026, अंक -387.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"अति सर्वत्र वर्जयेत्" (अति का हर जगह त्याग करना चाहिए)।



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org





Wednesday Prayer

बिहार राज्य गीत

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

राष्ट्रगान

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशु मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर पे झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..।

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की कर्णुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारङ्ग प्रतिमा गङ्गि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. नाइजीरिया की राजधानी क्या है?

उत्तर: अबुजा

प्रश्न 2. भारत की पहली महिला पायलट कौन थीं?

उत्तर: सरला ठकराल

प्रश्न 3. 'छाऊ' किस राज्य की प्रसिद्ध नृत्य-परंपरा है?

उत्तर: झारखंड

प्रश्न 4. 24 और 16 का महत्तम समापवर्तक (HCF) कितना है?

उत्तर: 8

प्रश्न 5. बिहार का 'लौरिया नंदनगढ़' किस जिले में स्थित है?

उत्तर: पश्चिम चंपारण

प्रश्न 6. कौन-सा जलीय जीव अपने शरीर में स्याही जैसा पदार्थ छोड़कर शत्रु से बचता है?

उत्तर: स्क्विड

प्रश्न 7. भाप के इंजन का पेटेंट सबसे पहले किसने कराया था?

उत्तर: थॉमस सेवरी

प्रश्न 8. भारत में लोकसभा का कार्यकाल सामान्यतः कितने वर्ष का होता है?

उत्तर: 5 वर्ष

प्रश्न 9. 'जो दूसरों की प्रशंसा करता हो' – उसके लिए एक शब्द क्या है?

उत्तर: प्रशंसक

प्रश्न 10. चंद्रमा पर वायुमंडल न होने के कारण वहाँ आकाश कैसा दिखाई देता है?

उत्तर: काला

संकलन:-



पिन्डू कुमार

विद्यालय अध्यापक

UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Artifact - आर्टिफैक्ट - पुरावशेष
- 2 Inscription - इन्स्क्रिप्शन - शिलालेख
- 3 Excavation - एक्सकैवेशन - उत्खनन
- 4 Antiquity - एंटीक्विटी - प्राचीनता / प्राचीन वस्तु
- 5 Dynasty - डायनेस्टी - राजवंश
- 6 Chronology - क्रोनोलॉजी - कालक्रम
- 7 Annals - ऐनल्स - इतिहास-वृत्त / वार्षिक विवरण



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक

Govt. UMS गोइती

बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Whose + noun + is he/she going to + V1?"
(वह किसका/किसकी ... करने वाला/वाली है?)

वह किसकी किताब पढ़ने वाला है? – Whose book is he going to read?

वह किसकी साइकिल इस्तेमाल करने वाली है? – Whose bicycle is she going to use?

वह किसका मोबाइल फोन लेने वाला है? – Whose mobile phone is he going to take?

वह किसकी सलाह मानने वाली है? – Whose advice is she going to follow?

वह किसके घर जाने वाला है? – Whose house is he going to visit?



संकलन:-

अभिनव राज

प्रधान शिक्षक

रा० प्रा० वि० शेखधुरवा

चनपटिया, प. चम्पारण।

प्र.1. प्रतिवर्ष 28 अक्टूबर को 1892 में थॉमस एडिसन और एमिल रेनॉड द्वारा एनिमेटेड दृश्यों के सार्वजनिक प्रदर्शन की स्मृति में कौन-सा वैश्विक दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: अंतरराष्ट्रीय एनीमेशन दिवस (International Animation Day)

व्याख्या: 28 अक्टूबर को प्रतिवर्ष 'अंतरराष्ट्रीय एनीमेशन दिवस' (International Animation Day) मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 2002 में 'इंटरनेशनल एनिमेटेड फिल्म एसोसिएशन' (ASIFA) द्वारा की गई थी। 28 अक्टूबर 1892 को पेरिस के प्रेविन म्यूजियम में एमिल रेनॉड ने अपने 'थिएटर ऑप्टिक' (Théâtre Optique) उपकरण के माध्यम से पहली बार गतिशील रेखाचित्रों (एनिमेशन) का सार्वजनिक प्रदर्शन किया था। वर्तमान डिजिटल युग में यह दिवस दृश्य कला, चलचित्र ग्राफिक्स, कार्टून फिल्म निर्माण और रचनात्मक उद्योग में कार्यरत कलाकारों के योगदान को सम्मानित करने हेतु मनाया जाता है।

संदर्भ: ASIFA Official Portal (International Animated Film Association); UNESCO Creative Cities Network (Media Arts);

प्र.2. वर्ष 1968 में चिकित्सा/शरीरक्रिया विज्ञान का नोबेल पुरस्कार भारतीय मूल के वैज्ञानिक डॉ. हरगोविंद खुराना को मार्शल निरेनबर्ग और रॉबर्ट हॉली के साथ संयुक्त रूप से किस युगांतरकारी खोज हेतु मिला था? (समसामयिक/नोबेल विशेष)

उत्तर: आनुवंशिक कोड (Genetic Code) की व्याख्या और प्रोटीन संश्लेषण में इसकी भूमिका

व्याख्या: भारतीय मूल के अमेरिकी जैव-रसायनज्ञ डॉ. हरगोविंद खुराना को वर्ष 1968 में 'क्रियाविज्ञान या चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार' प्रदान किया गया था। उन्होंने मार्शल निरेनबर्ग और रॉबर्ट हॉली के साथ मिलकर यह सिद्ध किया कि डीएनए और आरएनए में मौजूद न्यूक्लियोटाइड क्षारकों का त्रिक क्रम (ट्रिपलेट कोडॉन / Codon) किस प्रकार विशिष्ट 20 अमीनो अम्लों का कूटवाचन करता है और कोशिकाओं में प्रोटीन संश्लेषण का नियमन करता है। डॉ. खुराना ने प्रयोगशाला में प्रथम कृत्रिम जीन (Synthetic Gene) का निर्माण कर आधुनिक आनुवंशिकी (जेनेटिक्स), बायोटेक्नोलॉजी और जेनेटिक इंजीनियरिंग का द्वार खोला था।

संदर्भ: NobelPrize.org Official Archives — Har Gobind Khorana Facts (Physiology or Medicine 1968);

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध उपन्यास है, जिसमें स्वाधीनता-पूर्व भारत में एक आदर्शवादी राजा और संन्यासी 'प्रेमशंकर' के माध्यम से किसानों की बेदखली के विरोध और ग्रामीण स्वावलंबन का चित्रण किया गया है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: प्रेमाश्रम (1922)

व्याख्या: 'प्रेमाश्रम' (1922) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित एक युगांतरकारी सामाजिक-राजनीतिक उपन्यास है। यह हिंदी का पहला ऐसा उपन्यास माना जाता है जिसमें किसान-समस्या और ज़मींदारी प्रथा के क्रूर शोषण को केंद्रीय विषय बनाया गया है। इसमें ज्ञानशंकर के लोभ, छल-कपट और षड्यंत्रों के विपरीत उसके भाई प्रभाशंकर और प्रेमशंकर के आदर्शवादी, जन-कल्याणकारी चरित्र का द्वंद्व चित्रित है। प्रेमशंकर गाँव में 'प्रेमाश्रम' की स्थापना कर किसानों को संगठित करते हैं और स्वावलंबन की राह दिखाते हैं। यह उपन्यास गांधीवादी असहयोग और ग्राम-स्वराज्य की अवधारणा से गहराई से प्रेरित है।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — 'प्रेमाश्रम', सरस्वती प्रेस/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अंतरा भाग-2 साहित्य संदर्भ);

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी दिए गए पोषण स्तर पर ऊर्जा के स्थानांतरण के दौरान केवल 10% ऊर्जा ही अगले स्तर को प्राप्त होती है और 90% ऊर्जा श्वसन व ऊष्मा में नष्ट हो जाती है; यह '10 प्रतिशत का नियम' 1942 में किस वैज्ञानिक ने प्रतिपादित किया था? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: रेमंड लिंगमैन (Raymond Lindeman)

व्याख्या: अमेरिकी पारिस्थितिकी विज्ञानी रेमंड लिंगमैन ने वर्ष 1942 में खाद्य श्रृंखला में ऊर्जा स्थानांतरण की दक्षता को स्पष्ट करने हेतु 'ऊर्जा का 10 प्रतिशत नियम' (10 Percent Law of Energy Transfer) प्रतिपादित किया था। इस नियम के अनुसार जब ऊर्जा एक पोषण स्तर (जैसे उत्पादक/पौधे) से अगले पोषण स्तर (जैसे प्राथमिक उपभोक्ता/ शाकाहारी) में स्थानांतरित होती है, तो केवल लगभग 10 प्रतिशत संचित रासायनिक ऊर्जा ही नए बायोमास के रूप में अगले स्तर को प्राप्त होती है। शेष 90 प्रतिशत ऊर्जा उपापचय (Metabolism), कोशिकीय श्वसन और ऊष्मा के रूप में पर्यावरण में विसर्जित हो जाती है। यही कारण है कि किसी भी खाद्य श्रृंखला में सामान्यतः 3 से 4 पोषण स्तर ही होते हैं।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 261-264;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान असम में अहोम राजवंश के किस देशभक्त दीवान ने ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह की गुप्त योजना बनाई थी, जिसके कारण उन्हें जोरहाट में फांसी दी गई थी? (इतिहास)

उत्तर: मनीराम दीवान (मनीराम बरभंडार बरुआ)

व्याख्या: मनीराम दीवान (1806-1858) असम के एक प्रमुख देशभक्त, प्रारंभिक चाय उद्यमी और अहोम राजदरबार के प्रभावशाली दीवान थे। 1857 के राष्ट्रीय विद्रोह की ज्वाला जब उत्तर भारत में भड़की, तो मनीराम दीवान ने कलकत्ता में रहते हुए गुप्त रूप से अहोम राजकुमार कंदर्पेश्वर सिंह को राजा बनाकर असम से ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन को समाप्त करने का षड्यंत्र रचा। ब्रिटिश गुप्तचरों द्वारा उनके विद्रोही पत्र पकड़े जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और 26 फरवरी 1858 को जोरहाट में सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी गई। वे पूर्वोत्तर भारत में 1857 के अमर स्वतंत्रता सेनानियों में अग्रणी माने जाते हैं।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55-58;

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत के पश्चिमी घाट में कर्नाटक के चिकमगलूर जिले में स्थित वह कौन-सी प्रसिद्ध अर्धचंद्राकार पर्वत श्रृंखला है, जिसे भारत में 'कॉफी की जन्मस्थली' माना जाता है? (भूगोल)
उत्तर: बाबा बुदन पहाड़ियाँ (Baba Budan Giri)
व्याख्या: बाबा बुदन पहाड़ियाँ कर्नाटक के पश्चिमी घाट में सह्याद्री श्रेणी का एक महत्वपूर्ण भाग हैं। 17वीं शताब्दी में सूफी संत हजरत बाबा बुदन यमन (अरब) से कॉफी के सात कच्चे बीज अपनी कमर में छिपाकर लाए थे और उन्होंने इसी पहाड़ी पर उन्हें रोपा था, जिससे भारत में कॉफी की खेती का सूत्रपात हुआ। इस श्रेणी का सर्वोच्च शिखर 'मुल्लायनगिरि' (Mullayanagiri - 1,930 मीटर) है, जो कर्नाटक राज्य की सबसे ऊँची पर्वत चोटी है। यह क्षेत्र घने शोला वनों, चाय-कॉफी बागानों, समृद्ध लौह-अयस्क भंडारों (कुद्रेमुख क्षेत्र के निकट) और समृद्ध जैव-विविधता के लिए प्रसिद्ध है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 10, Ch 4 "कृषि" (रोपण कृषि), p. 42-45;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य को अंतरराष्ट्रीय संधियों, करारों और सम्मेलनों को प्रभावी बनाने हेतु राज्य सूची के किसी भी विषय पर संपूर्ण भारत या उसके किसी भाग के लिए कानून बनाने की संसद को अनन्य शक्ति देता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 253 (Article 253)
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-XI में केंद्र-राज्य विधायी संबंधों के अंतर्गत 'अनुच्छेद 253' संसद को असाधारण शक्ति प्रदान करता है। इसके अनुसार, संसद को किसी अन्य देश या देशों के साथ की गई किसी संधि, करार या अभीसमग्र अथवा किसी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन या निकाय में किए गए किसी विनिश्चय के कार्यान्वयन के लिए भारत के संपूर्ण राज्यक्षेत्र या उसके किसी भाग के लिए कोई भी विधि बनाने की शक्ति है। भले ही वह विषय संविधान की सातवीं अनुसूची की 'राज्य सूची' में ही क्यों न आता हो। इसी अनुच्छेद के तहत भारत में 'पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986' (स्टॉकहोम सम्मेलन 1972 के आधार पर) और बौद्धिक संपदा कानून (TRIPS) लागू किए गए।
संदर्भ: Constitution of India, Part XI, Article 253;

प्र.8. किसी व्यक्ति को निकट की वस्तुएं स्पष्ट दिखाई देती हैं किंतु दूर की वस्तुएं धुंधली दिखाई देती हैं; इस दृष्टि दोष (निकट-दृष्टि दोष / Myopia) को दूर करने हेतु किस प्रकार के लेंस के चश्मे का उपयोग किया जाता है? (विज्ञान)
उत्तर: अवतल लेंस (अपसारी लेंस / Concave Lens)
व्याख्या: निकट-दृष्टि दोष (Myopia) में नेत्र निकट रखी वस्तुओं को तो स्पष्ट देख सकता है परंतु दूर स्थित वस्तुओं को स्पष्ट नहीं देख पाता। इसका मुख्य कारण है: (1) नेत्र लेंस की वक्रता का अत्यधिक बढ़ जाना (फोकस दूरी घट जाना); या (2) नेत्र गोलक का लंबा हो जाना। इसके कारण दूर से आने वाली समानांतर प्रकाश किरणें दृष्टि-पटल (Retina) पर फोकसित होने के बजाय रेटिना के आगे ही फोकसित हो जाती हैं। इस दोष के निवारण हेतु उचित फोकस दूरी वाले 'अवतल लेंस' (Concave Lens) का चश्मा पहना जाता है। अवतल लेंस प्रकाश किरणों को पहले थोड़ा अपसारित (फैला) देता है, जिससे अंतिम प्रतिबिंब ठीक रेटिना पर बनता है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 11 "मानव नेत्र तथा रंगबिरंगा संसार", p. 207-210;

प्र.9. 16वीं-17वीं शताब्दी में नायक राजवंश के शासक तिरुमलाई नायक द्वारा तमिलनाडु के मदुरै में वैगई नदी के तट पर द्रविड़ शैली में निर्मित विशाल गोपुरमों और 'हजार स्तंभों वाले मंडप' के लिए विख्यात मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: मीनाक्षी अम्मन मंदिर (मदुरै)
व्याख्या: मीनाक्षी सुंदरेश्वर मंदिर तमिलनाडु के प्राचीन सांस्कृतिक नगर मदुरै में स्थित द्रविड़ स्थापत्य कला का एक अत्यंत भव्य और उत्कृष्ट उदाहरण है। यह मंदिर देवी पार्वती (मीनाक्षी) और भगवान शिव (सुंदरेश्वर) को समर्पित है। वर्तमान भव्य परिसर का अधिकांश निर्माण 16वीं और 17वीं शताब्दी में मदुरै के नायक शासकों (विशेषकर तिरुमलाई नायक) द्वारा कराया गया था। मंदिर परिसर में 14 भव्य और गगनचुंबी 'गोपुरम' (प्रवेश द्वार) हैं, जिनमें दक्षिणी गोपुरम सबसे ऊंचा (लगभग 52 मीटर) है। ये गोपुरम पौराणिक आख्यानों, देवताओं और यक्षों की हजारों बहुरंगी पाषाण-मूर्तियों से आच्छादित हैं। इसके अतिरिक्त 'सहस्र स्तंभ मंडप' (1000 नक्काशीदार स्तंभों वाला कक्ष) और संगीतमय स्तंभ इस मंदिर की अनुपम विशेषताएं हैं।
संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 84-87;

प्र.10. 1934 में पटना के अंजुमन इस्लामिया हॉल में आचार्य नरेंद्र देव की अध्यक्षता में गठित वह कौन-सी ऐतिहासिक राजनीतिक पार्टी थी, जिसके प्रथम महासचिव जयप्रकाश नारायण बने थे? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: कांग्रेस समाजवादी पार्टी (CSP / Congress Socialist Party)
व्याख्या: मई 1934 में पटना के ऐतिहासिक 'अंजुमन इस्लामिया हॉल' में समाजवादी विचारधारा से जुड़े राष्ट्रवादी नेताओं का एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें औपचारिक रूप से 'कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी' (CSP) की स्थापना की गई। इस स्थापना सम्मेलन की अध्यक्षता आचार्य नरेंद्र देव ने की और जयप्रकाश नारायण (जेपी) को इसका सर्वसम्मति से प्रथम महासचिव (General Secretary) चुना गया। इस दल के प्रमुख संस्थापकों में डॉ. राममनोहर लोहिया, अच्युत पटवर्धन, अशोक मेहता और मीनू मसानी शामिल थे। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भीतर रहकर स्वाधीनता आंदोलन को समाजवादी और श्रमिक-कृषक उन्मुख दिशा प्रदान करना तथा पूर्ण स्वराज की मांग को तेज करना था।
संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module;



प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W4 — सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी) के अनुसार रात्रि या धुंध में साइकिल चलाते समय दुर्घटना से बचने हेतु कोन-सा अनिवार्य उपकरण लगाना चाहिए और मोड़ लेते समय पीछे के ट्रैफिक को सतर्क करने के लिए हाथ का सही इशारा क्या है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: लाल रिफ्लेक्टर/रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप; जिस दिशा में मुड़ना हो उस हाथ को सीधा बाहर फैलाना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W4: सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी) और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय (MoRTH) के साइकिल सुरक्षा मानकों के अनुसार: (1) दृश्यता सुरक्षा (Visibility Safety) — ग्रामीण क्षेत्रों और शीत ऋतु की धुंध में साइकिल सवारों के साथ दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बड़े वाहनों के चालकों को उनका समय पर न दिखना है; प्रत्येक साइकिल के पिछले मडगार्ड पर लाल रंग का रिफ्लेक्टर और आगे की और सफेद/पीला रिफ्लेक्टर अनिवार्य रूप से होना चाहिए; इसके अतिरिक्त पहियों के स्पोक्स और पैडल पर 'रेट्रो रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप' (चमकदार पट्टी) लगानी चाहिए जो दूर से आने वाले वाहन की लाइट पड़ते ही चमक उठती है; (2) मुड़ने का हस्त-संकेत (Hand Signals) — साइकिल मोड़ते समय अचानक ब्रेक न लगाएं और न ही सीधे मुड़े; मुड़ने से कम से कम 20-30 मीटर पहले पीछे देखें, यदि दाईं ओर मुड़ना हो तो दायां हाथ कंधे की सीध में सीधा बाहर फैलाएं, यदि बाईं ओर मुड़ना हो तो बायां हाथ सीधा बाहर फैलाएं ताकि पीछे आ रहे तेज गति के वाहनों को आपके मुड़ने का पूर्व-संकेत मिल सके; (3) साइकिल की घंटी (बेल) और दोनों ब्रेक हमेशा चुस्त रखें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W4 — "सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी";



प्र.12. एक नाव की शांत जल में चाल 15 किमी/घंटा है और धारा की चाल 3 किमी/घंटा है। बताइए वह नाव धारा के अनुकूल (Downstream) 72 किमी जाने और धारा के प्रतिकूल (Upstream) 48 किमी वापस लौटने में कुल कितना समय (घंटों में) लेगी? (रोचक पहेली/गणित/रीजनिंग)

उत्तर: 8 घंटे

व्याख्या: यह 'नाव और धारा' (Boats and Streams) के सापेक्ष वेग के मूलभूत सिद्धांत पर आधारित एक मानक अंकगणितीय प्रश्न है।

दिया गया है:

शांत जल में नाव की चाल (u) = 15 किमी/घंटा, धारा की चाल (v) = 3 किमी/घंटा, धारा के अनुकूल नाव की प्रभावी चाल (v_d) = u + v = 15 + 3 = 18 किमी/घंटा।

धारा के प्रतिकूल नाव की प्रभावी चाल (v_u) = u - v = 15 - 3 = 12 किमी/घंटा।

समय = दूरी / चाल।

धारा के अनुकूल 72 किमी जाने में लगा समय (t₁): t₁ = 72 / 18 = 4 घंटे।

धारा के प्रतिकूल 48 किमी वापस लौटने में लगा समय (t₂):

t₂ = 48 / 12 = 4 घंटे।

कुल लगा समय (T) = t₁ + t₂

T = 4 + 4 = 8 घंटे।

अतः नाव को कुल 8 घंटे का समय लगेगा।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 13 "प्रत्यक्ष और प्रतिलोम समानुपात", p. 202-208;

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Abjure (अब्ज्योर) = Renounce (रिनाउन्स) = त्याग देना / औपचारिक रूप से छोड़ देना

Antonym – Embrace (एम्ब्रेस) = अपनाना / स्वीकार करना

2. Credulous (क्रेड्युलस) = Gullible (गलिबल) = आसानी से विश्वास करने वाला / भोला

Antonym – Skeptical (स्केप्टिकल) = संशयवादी / संदेह करने वाला

3. Epigrammatic (एपिग्रैमैटिक) = Pithy (पिथी) = संक्षिप्त और सारगर्भित / सूक्तिपूर्ण

Antonym – Verbose (वर्बोस) = शब्दाडंबरपूर्ण / बहुत अधिक शब्दों वाला

4. Mendacious (मेन्डेस) = Deceitful (डिसीटफुल) = झूठा / कपटी / असत्यवादी

Antonym – Truthful (ट्रुथफुल) = सत्यवादी / सच्चा

5. Omnipotent (ऑम्निपोटेन्ट) = All-powerful (ऑल-पावरफुल) = सर्वशक्तिमान / सर्वाधिक शक्तिशाली

Antonym – Powerless (पावरलेस) = शक्तिहीन / असहाय

~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2, प. चम्पारण।





"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



DAC clears ₹2.12 lakh crore capital acquisition proposals for defence forces; Raksha Mantri calls for 'Aatmanirbharta 2.0'

हिन्दी अनुवाद: DAC ने रक्षा बलों के लिए ₹2.12 लाख करोड़ के पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी; रक्षा मंत्री ने 'आत्मनिर्भरता 2.0' का आह्वान किया।

रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने रक्षा बलों के लिए लगभग ₹2,12,000 करोड़ के विभिन्न पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (AoN) दी है। इसमें भारतीय सेना के लिए हाई मोबिलिटी वाहन, सेल्फ-प्रोपेल्ड टैंक गन सिस्टम, लाइट मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर, VSHORADS, काउंटर-ड्रोन प्रणाली और लंबी रेंज कामिकाज़े ड्रोन सिस्टम शामिल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने SWAVLAMBAN 2026 में रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता 2.0' का आह्वान किया।

India's defence production reaches ₹1.80 lakh crore; defence exports hit record ₹38,424 crore

हिन्दी अनुवाद: भारत का रक्षा उत्पादन ₹1.80 लाख करोड़ तक पहुँचा; रक्षा निर्यात रिकॉर्ड ₹38,424 करोड़ हुए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का रक्षा उत्पादन ₹1.80 लाख करोड़ तक पहुँच गया है। रक्षा निर्यात रिकॉर्ड ₹38,424 करोड़ तक पहुँचा है। भारत अब पनडुब्बियों का निर्माण कर रहा है।

Ministry of Defence signs ₹770 crore contract for improved low level light weight radars for Indian Army

हिन्दी अनुवाद: रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए उन्नत निम्न स्तरीय हल्के रडारों की खरीद के लिए ₹770 करोड़ का अनुबंध किया।

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए उन्नत निम्न स्तरीय हल्के रडारों (LLLR-I) की खरीद के लिए ₹770 करोड़ का अनुबंध किया है। यह अनुबंध सेना की वायु निगरानी क्षमताओं को बढ़ावा देगा।

INTERNATIONAL NEWS

Saudi air defences destroy four Houthi drones targeting southern region; Houthis claim new attack on Riyadh airport

हिन्दी अनुवाद: सऊदी वायु रक्षा ने दक्षिणी क्षेत्र को निशाना बनाने वाले चार हूथी ड्रोन नष्ट किए; हूथियों ने रियाद हवाई अड्डे पर नया हमला करने का दावा किया।

सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसकी वायु रक्षा ने दक्षिणी सऊदी अरब की ओर दागे गए चार हूथी ड्रोन को रोका और नष्ट किया। हूथियों ने रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए बैलिस्टिक मिसाइल हमले का दावा किया।

Saudi authorities say two ballistic missiles downed over Riyadh; three more intercepted over eastern region; explosions heard

हिन्दी अनुवाद: सऊदी अधिकारियों ने कहा कि रियाद के ऊपर दो बैलिस्टिक मिसाइलें रोकी गईं; पूर्वी क्षेत्र में तीन और रोकी गईं; विस्फोट सुनाई दिए।

सऊदी अधिकारियों ने कहा कि रियाद के ऊपर ईरान-समर्थित हूथियों द्वारा दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलें नष्ट कर दी गईं। पूर्वी क्षेत्र की ओर दागी गई तीन और बैलिस्टिक मिसाइलें भी रोकी गईं।

Iran says US is 'not serious' about talks; vessel on fire off Iraq's coast; Middle East ministers in Istanbul for Hormuz talks

हिन्दी अनुवाद: ईरान ने कहा कि अमेरिका बातचीत के प्रति 'गंभीर नहीं' है; इराक के तट के पास जहाज में आग; होर्मुज़ बातचीत के लिए मध्य पूर्व मंत्री इस्तांबुल में।

ईरान ने कहा कि अमेरिका बातचीत के प्रति गंभीर नहीं है। इराक के तट के पास एक जहाज में आग लगने की खबर है। यूरोपीय और मध्य पूर्व मंत्री होर्मुज़ जलडमरूमध्य और सुरक्षा पर बातचीत के लिए इस्तांबुल में मिले।

BIHAR NEWS

Bihar to seek Centre's aid to clear flood-hit farmlands, fisheries of sand and silt; 22 districts asked to assess damage
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़ प्रभावित खेतों और मत्स्य क्षेत्रों से बालू-गाद हटाने के लिए केंद्र की मदद मांगेगा; 22 जिलों को क्षति आकलन का निर्देश। बिहार के आपदा प्रबंधन विभाग ने 22 जिलों के जिलाधिकारियों को बाढ़ प्रभावित कृषि भूमि और मत्स्य क्षेत्रों में जमा बालू और गाद का आकलन करने का निर्देश दिया है। राज्य केंद्र से इन क्षेत्रों की सफाई के लिए सहायता मांगेगा। बाढ़ गंगा, सोन, गंडक, कोसी और अन्य नदियों में आई थी।

Gandak river reaches record 91.25 metres at Bagaha gauge; 169 seepage/piping points secured; Champaran embankment damaged at two locations

हिन्दी अनुवाद: बागहा गेज साइट पर गंडक नदी रिकॉर्ड 91.25 मीटर पर पहुँची; 169 रिसाव/पाइपिंग बिंदु सुरक्षित; चंपारण तटबंध दो स्थानों पर क्षतिग्रस्त। नेपाल में तीव्र, अल्पकालिक वर्षा के बाद बिहार में गंडक नदी ने बागहा गेज साइट पर अब तक का सर्वोच्च जलस्तर 91.25 मीटर दर्ज किया। उच्च निस्सरण ने नदी के तटबंधों पर दबाव डाला, जिससे कई स्थानों पर रिसाव, पाइपिंग और ऊपर से पानी बहने (overtopping) की स्थिति बनी। अब तक 169 रिसाव/पाइपिंग प्रभावित बिंदुओं को तत्काल उपायों से सुरक्षित किया गया है। पश्चिम चंपारण जिले में गंडक नदी के बाएं तट पर चंपारण तटबंध को दो स्थानों पर क्षति पहुँची।

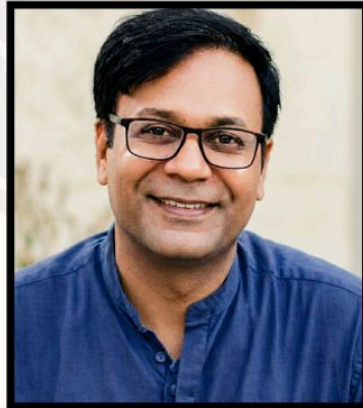
SPORTS NEWS

India beat New Zealand by 6 wickets in 3rd T20I; take unassailable 3-0 lead in five-match series

हिन्दी अनुवाद: भारत ने तीसरे T20I में न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया; पाँच मैचों की श्रृंखला में अजेय 3-0 की बढ़त बनाई। वेल्डिंगटन के हेनरी स्टेडियम में भारत ने 199 रन का लक्ष्य 13.2 ओवर में हासिल किया। अभिषेक शर्मा ने 38 गेंदों पर 113 रन बनाए और वैभव सूर्यवंशी ने 45 रन बनाए। भारत ने छह विकेट से जीत दर्ज की और पाँच मैचों की श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त बनाई।

Abhishek Sharma slams 38-ball 113 as India seal series 3-0; Naman Dhir finishes with four

हिन्दी अनुवाद: अभिषेक शर्मा ने 38 गेंदों पर 113 रन बनाए; भारत ने श्रृंखला 3-0 से सील की; नमन धीर ने चार रन से समाप्त किया। अभिषेक शर्मा ने 38 गेंदों पर 113 रन बनाकर भारत को श्रृंखला जीत दिलाई। नमन धीर ने अंतिम गेंद पर चार रन लगाकर जीत सुनिश्चित की। भारत ने श्रृंखला 3-0 से जीती।



संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण ।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करेंट अफेयर्स ऑफ द डे)

“आत्मनिर्भरता 2.0: DAC ने ₹2.12 लाख करोड़ के रक्षा अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी”

रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने रक्षा बलों के लिए लगभग ₹2,12,000 करोड़ के विभिन्न पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (AON) दी है। इसमें भारतीय सेना के लिए हाई मोबिलिटी वाहन, सेल्फ-प्रोपेल्ड ट्रेकड गन सिस्टम, लाइट मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर, VSHORADS, काउंटर-ड्रोन प्रणाली और लंबी रेंज कामिकाज़े ड्रोन सिस्टम शामिल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने SWAVLAMBAN 2026 में रक्षा क्षेत्र में ‘आत्मनिर्भरता 2.0’ का आह्वान किया।

एक चूहे से बनी दुनिया

(अंतरराष्ट्रीय एनिमेशन दिवस विशेष — 28 अक्टूबर)



बचपन से ही वाल्ट डिज़्नी को चित्र बनाने का शौक था। अमेरिका में जन्मे वाल्ट का शुरुआती जीवन संघर्षों से भरा था। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। उन्होंने अखबार बाँटने जैसे छोटे-मोटे काम किए, लेकिन चित्र बनाने का अपना शौक कभी नहीं छोड़ा।

बड़े होने पर उन्होंने कार्टून बनाने का काम शुरू किया। वे चाहते थे कि उनके बनाए चित्र पर्दे पर चलते-फिरते दिखाई दें। इस सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने एक कंपनी बनाई, लेकिन वह असफल हो गई। फिर उन्होंने नई शुरुआत की और कार्टून फिल्में बनाने लगे।

कुछ समय बाद उन्होंने ओस्वाल्ड नाम का एक खरगोश पात्र बनाया, जो लोगों को पसंद आने लगा। लेकिन जल्द ही उन्हें उस पात्र के अधिकार खोने पड़े। यह उनके लिए बड़ा झटका था। वर्षों की मेहनत के बाद भी उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा।

लेकिन वाल्ट ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने सहयोगी यूब आइवर्क्स के साथ मिलकर एक नए पात्र की कल्पना की। वह एक छोटा-सा चूहा था, जिसका नाम रखा गया मिकी माउस।

शुरुआत में सफलता आसानी से नहीं मिली। फिर 1928 में मिकी माउस की फिल्म स्टीमबोट विली ने लोगों का ध्यान खींचा। धीरे-धीरे मिकी माउस बच्चों और बड़ों, दोनों का प्रिय बन गया। आगे चलकर वाल्ट डिज़्नी ने अपनी कल्पना से मनोरंजन की एक विशाल दुनिया खड़ी कर दी।

आज उनकी कहानी हमें सिखाती है कि असफलता के बाद भी नई शुरुआत की जा सकती है।

प्रेरक सीख: सपने बड़े हों तो कठिनाइयों से घबराइए मत। लगातार सीखते रहिए और प्रयास करते रहिए। कभी-कभी एक छोटा-सा विचार भी पूरी दुनिया में पहचान बना सकता है।



.....✍
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।





आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-26

सोचो... समझो... हल करो...

7									
	5	8							
				4		2		6	
6			8			4			
		9	2						
	2			6			3		
2	7							4	
8					5	6			
					3		2	7	

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिसका प्रयोग करके आप दुनिया बदल सकते हैं।"

— नेल्सन मंडेला

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

7	8	2	3	9	1	8	4	6
4	6	8	6	7	2	1	9	3
9	3	1	6	4	8	2	7	6
6	1	7	8	3	9	4	5	2
3	8	9	2	6	4	7	6	1
6	2	4	1	8	7	9	3	6
2	7	6	9	1	6	3	8	4
8	4	3	7	2	5	6	1	9
1	9	6	4	8	3	6	2	7

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 6, श्लोक 35
श्रीभगवानुवाच
असंशयं महाबाहो मनो दुर्निग्रहं चलम्।
अभ्यासेन तु कौन्तेय वैराग्येण च गृह्यते॥

सरल हिन्दी अर्थ:

श्रीभगवान ने कहा: हे महाबाहो (अर्जुन)! इसमें कोई संशय नहीं है कि मन अत्यंत चंचल और कठिनाई से वश में आने वाला है। किंतु हे कुन्तीपुत्र! इसे 'अभ्यास' (निरंतर प्रयत्न) और 'वैराग्य' (अनावश्यक आसक्ति के त्याग) द्वारा वश में किया जा सकता है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा था कि मन को रोकना हवा को मुट्ठी में बांधने जैसा कठिन है। भगवान इस यथार्थ को नकारते नहीं हैं; वे सहमति जताते हैं कि कार्य कठिन है, पर असंभव नहीं। मन को साधने के लिए वे दो अचूक उपकरण देते हैं:

- अभ्यास (Deliberate Practice & Consistency): किसी एक ही दिशा में बार-बार, बिना थके प्रयास करना। जैसे शारीरिक मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए रोज़ कसरत करनी पड़ती है, वैसे ही एकाग्रता की मानसिक मांसपेशी को बार-बार अभ्यास से ही साधा जा सकता है।
- वैराग्य (Detox & Conscious Detachment): वैराग्य का अर्थ घर छोड़ना या संन्यासी बन जाना नहीं है। इसका व्यावहारिक अर्थ है—जो चीजें आपके लक्ष्य, मानसिक शांति और मूल्यों में बाधक हैं, उनसे दूरी बनाना सीखना। गैर-ज़रूरी इच्छाओं, व्यर्थ की गपशप और भटकावों को 'ना' कहने की क्षमता ही आधुनिक वैराग्य है।

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।



आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏



मंडे पॉजिटिव

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रगाढ़ी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चंपारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पौडोसफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चंपारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संस्कृत शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चंपारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह रौलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेगी, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम छात्र पर पड़ेगा जो एक नया पाठ्यक्रम है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

एकदम शान्तिय
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक ज्ञानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैली है। इसका उद्देश्य है कि प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नवी ज्ञानकारी मिलती है। हम

यात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवस्थानी पंचायत के राजकीय उत्तरांचल माध्य विद्यालय औरसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- वेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि अखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाय तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफ़ी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सौ आठ अंक का ले
बुका प्रकाशन



श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले बच्चों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में वेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

आज हजारों के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिक का उत्सर्जन कहा से होता है, तबो का वर्गीकरण किसने किया। श्वित् परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, खैरती के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रश्न शामिल हैं।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूर जगन्नाथः बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊँचाई देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सत्याग्रही शैक्षिक पालन सम्मेलन आरंभ है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के समुदायिक संकल्प और समर्पण से यह पालन हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

■ यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बस रही शिक्षा का स्वरूप
■ शिक्षकों के समुदायिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका
भाषा कौशल, सामुदायिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनव्यवस्था बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकर ले रही इस पालन का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों को एक टीम हिन्दू कुमार, सौर कुमार,



प्रखंड संसलन के दौरान बगहा दो में ज्ञानाग्रह

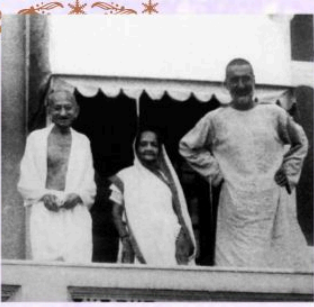
राज, मनेज कुमार और मनेज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संकलन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है। 'सत्यक्रिप' मॉडल से सार्वजनिक

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सत्यक्रिप' मॉडल के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रश्न जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यालयों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बढ़ती है शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। धृष्टन रम्य, वीरेंद्र, जगज्ज दो संतुलित रूप से आगे बढ़ाते हैं। शिक्षक संकलन पर विशेष और पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जगज्जकः ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जगज्जकः फोकस हो रही है। शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सराका

'सीमांत गांधी' खान अब्दुल गफ्फार खान



प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे छह फुट तीन इंच लंबे, फौलादी शरीर वाले पठान योद्धा के बारे में सुना है, जिसने हाथ में बंदूक या खंजर उठाने के बजाय अहिंसा, प्रेम और सेवा को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया? आज हम स्वतंत्रता संग्राम के एक ऐसे ही अद्भुत महानायक की कहानी सुनेंगे, जिन्हें पूरे भारत में आदर और स्नेह से 'सीमांत गांधी' (फ्रंटियर गांधी) और 'बाचा खान' (राजाओं के राजा) कहा जाता है। वे थे खान अब्दुल गफ्फार खान!

गफ्फार खान का जन्म 6 फरवरी 1890 को पश्चिमोत्तर सीमांत प्रांत (वर्तमान पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा) के पेशावर के पास 'उत्मानजई' गाँव के एक संपन्न और संभ्रांत पश्तून परिवार में हुआ था। उनके पिता बहराम खान गाँव के एक बहुत ही दयालु, शांतिप्रिय और प्रतिष्ठित ज़मींदार थे, जो कभी किसी से झगड़ा नहीं करते थे। उनकी माता अत्यंत धर्मपरायण, स्नेहमयी और ममता की मूरत थीं। नन्हें गफ्फार बचपन से ही बड़े संवेदनशील, सत्यवादी और परोपकारी स्वभाव के थे।

उस ज़माने में पठानों के समाज में पुरानी रंजिशें और आपसी झगड़े बहुत हुआ करते थे। नन्हें गफ्फार ने यह देखकर मन ही मन ठाना कि वे अपने समाज में फैली अशिक्षा और हिंसा को समाप्त करेंगे। उन्होंने पेशावर के एडवर्ड्स मिशन हाई स्कूल से पढ़ाई की। अंग्रेज़ सेना में अफसर बनने का शानदार मौका मिलने के बावजूद उन्होंने उसे ठुकरा दिया, क्योंकि वे किसी विदेशी हुकूमत की गुलामी नहीं करना चाहते थे। मात्र बीस वर्ष की उम्र में उन्होंने अपने गाँव में बच्चों के लिए पहला स्कूल खोला और गाँव-गाँव घूमकर शिक्षा की अलख जगाई।

वर्ष 1919 में जब महात्मा गांधी ने रॉलेट एक्ट के खिलाफ आंदोलन शुरू किया, तो गफ्फार खान बापू के अहिंसा के विचार से गहराई से जुड़ गए। वर्ष 1929 में उन्होंने एक ऐतिहासिक संगठन बनाया, जिसका नाम था 'खुदाई खिदमतगार' (अर्थात ईश्वर के सेवकों की जमात)। इस संगठन के सदस्य लाल रंग का कुरता पहनते थे, इसलिए उन्हें दुनिया भर में 'लाल कुर्ती दल' (रेड शर्ट्स) कहा जाने लगा। उन्होंने लड़ाकू और वीर पश्तूनों को यह सिखाया कि सबसे बड़ी बहादुरी किसी को मारना नहीं, बल्कि सीना तानकर बिना हथियार उठाए जुल्म को सहना और सच के लिए डटे रहना है।

1930 के पेशावर के किस्सा ख्वानी बाज़ार में जब अंग्रेज़ सेना ने निहत्थे खुदाई खिदमतगारों पर गोलियाँ चलाने का हुक्म दिया, तो गढ़वाल राइफल्स के भारतीय सैनिकों ने अपने ही देशवासियों पर गोली चलाने से इनकार कर दिया। गफ्फार खान के स्वयंसेवक गोलियाँ खाकर गिरते रहे, पर किसी ने पलटकर एक पत्थर भी नहीं फेंका। उनकी इस अहिंसा ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया। गांधीजी के साथ उनका अटूट और पवित्र रिश्ता था। वे देश के बँटवारे के सख्त खिलाफ थे और आजीवन हिंदू-मुस्लिम एकता तथा भाईचारे के लिए लड़ते रहे।

आज़ादी के बाद भी उन्होंने अपने जीवन के कई दशक जेलों में सादगी से बिताए। राष्ट्र के प्रति उनके महान त्याग और समर्पण के लिए भारत सरकार ने वर्ष 1987 में उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से अलंकृत किया। वे यह सम्मान पाने वाले पहले गैर-भारतीय नागरिक बने। 20 जनवरी 1988 को पेशावर में 98 वर्ष की आयु में इस महान संत-योद्धा ने अंतिम साँस ली। प्यारे बच्चों, खान अब्दुल गफ्फार खान का पावन जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची ताकत गुस्से या हथियारों में नहीं, बल्कि मन की शांति, निस्वार्थ सेवा और अहिंसा में होती है।



शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





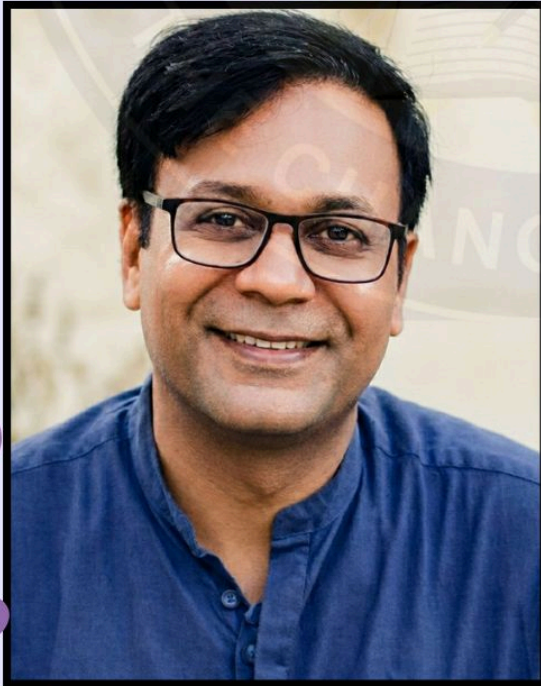
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

मन की चंचलता स्वाभाविक है, इसलिए खुद को कोसने में ऊर्जा
व्यर्थ मत कीजिए। सही दिशा में रोज़ किया गया छोटा-सा निरंतर
प्रयास (अभ्यास) और व्यर्थ की बातों से दूरी (वैराग्य) ही आपको
अपने मन का सच्चा स्वामी बना देगी।

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

